श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट

नैतिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान का एक रचनात्मक अभियान

डॉ. प्रणव पण्ड्या
प्रमुख - अखिल विश्व गायत्री परिवार
कुलाधिपति - देव संस्कृति विश्वविद्यालय
संपादक - अखण्ड ज्योति

शैलबाला पण्ड्या
सुपुत्री: माता भगवती देवी शर्मा
वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं.श्रीराम शर्मा आचार्य

9 जुलाई 2017
गुरुपूर्णिमा

आदरणीय भाई साहब/बहिन जी

आज गुरु पूर्णिमा/व्यास पूर्णिमा का पावन दिन है। गुरु भक्ति से, गुरुचरणों की ध्यान साधना से गुरुभक्त साधक के जीवन में तप-साधना की प्रत्येक उपलब्धि सहज रूप में अवतरित हो जाती है। गुरु चरणों की कृपा से तत्वज्ञान, ब्रह्मतादाम्य, ईश्वर कृपा सभी कुछ सुलभ हो जाती है। प्रत्येक परिजन के लिए यह गुरुपूर्णिमा, गुरुचरणों की इसी कृपा की अनुभूति का पर्व है।

गुरुपूर्णिमा का महापर्व हममें से हर एक के लिए यह सन्देश लेकर आया है कि हमारे गुरुदेव हमसे दूर नहीं हैं। उनका सदा ही यह आश्वासन है कि उन्हें पुकारने वाला उनके अनुदानों से कभी भी वंचित नहीं रहेगा। गुरु ज्ञान की प्रज्ञवलित मशाल हैं। वे ही उन विधियों के विशेषज्ञ हैं, जिनके द्वारा शरीर, मन एवं अंतरात्मा का नियंत्रण व नियमन होता है। भौतिक शरीरधारी होने पर भी उनकी आत्मा उच्च एवं अज्ञात जगत् में विचरती रहती है। गुरु ही हमारे जीवन की पूर्णता होते हैं। वे पवित्रता, शांति, प्रेम एवं ज्ञान की साक्षात् मूर्ति हैं। वे साकार भी हैं और निराकार भी। देह त्याग देने पर भी उनका अस्तित्व मिटता नहीं, बल्कि और अधिक प्रखर हो जाता है।

आज के दिन एक विलक्षण आध्यात्मिक पुरुषार्थ (नौ वर्षीय मातृशक्ति श्रद्धांजलि नवसृजन महापुरश्चरण) की घोषणा अपने इस विराट गायत्री परिवार के लिए सूक्ष्म जगत से हुई है। 1943 से 1994 तक स्थूल रूप से गायत्री परिवार के संरक्षक के रूप में परम पूज्य गुरुदेव की अभिन्न परम वंदनीया शक्तिस्वरूपा स्नेहसलिला माता भगवती देवी शर्मा जी ने अपने आराध्य पूज्य गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य जी के साथ एक अभूतपूर्व पुरुषार्थ सम्पन्न किया था। 1994 में अपनी आध्यात्मिक एवं स्थूल लीला को समेट कर वे अपने आराध्य की कारण सत्ता में व में विलीन हो गईं। 1926 में जन्मीं हमारी उसी मातृसत्ता की जन्मशताब्दी का प्रसंग समीप आ रहा है। 2026 में सितम्बर माह में आश्विन कृष्ण चतुर्थी को उनके जन्म को एक शतक पूरा हो जायेगा। इस उपलक्ष्य में हम सभी उनके बालकों उनकी स्मृति में एक आध्यात्मिक महापुरुषार्थ नौ वर्ष तक सतत चलाते रहकर उसकी पूर्णाहुति 2026 में करने का संकल्प किया है। यह युग परिवर्तनकारी महाअनुष्ठान आज 9 जुलाई, गुरुपूर्णिमा 2017 से आरम्भ होकर 29 जुलाई, गुरुपूर्णिमा 2026 को समाप्त होगा। इसमें करोड़ो परिजनों की भागीदारी होने जा रही है।

परिजनों से अपेक्षा की जा रही है कि प्रथम चरण की योजना(गुरुपूर्णिमा 2017 से 9 जुलाई 2020 की गुरुपूर्णिमा 5 जुलाई) में त्रिविध साधना क्रम से जुड़ें।

(1) **उपासना**-प्रतिदिन आत्मबोध की साधना। स्नान के बाद 5 माला गायत्री जप या 50 गायत्री मंत्र लेखन या 5 गायत्री चालीसा पाठ। रात्रि में सोने के पूर्व तत्वबोध की साधना। (2) **साधना**-सकारात्मक विचारों में निरंतर विचरण हेतु श्रेष्ठ ग्रंथों का नियमित स्वाध्याय। यह स्वाध्याय 10 से अधिक के समूह में पूरे भारत व विश्व में स्थान-स्थान पर होगा। व्यक्तिगत स्तर पर सभी भागीदार युग निर्माण सत्संकल्प, अपने अंग अवयवों से का नियमित पाठ करेंगे। इसके अलावा साधना के इस क्रम में साप्ताहिक उपवास, चिंतन-मनन, अणुव्रतों का पालन एवं चतुर्विध संयम पालन का नियमित अभ्यास करेंगे। (3) **आराधना**- युवा शक्ति, नारी शक्ति एवं प्रज्ञा परिजनों के लिए प्रचार, सृजन एवं संघर्ष के अन्तर्गत **अखण्ड ज्योति-प्रज्ञा अभियान** (मार्च से जुलाई 2017 एवं आगे के अंको में प्रकाशित सम्पादकीय) -संलग्न परिपत्र के कार्यों को सम्पन्न करने के लिए नियमित समयदान एवं अंशदान हेतु निष्ठापूर्वक संकल्पित होंगे।

गुरुपूर्णिमा वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पूज्य गुरुदेव के श्रद्धापूर्वक आह्वान एवं हम सबके जीवन में उनकी कृपा के अवतरण का पर्व है। पावन गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गायत्री परिवार के सभी स्वजनों एवं परिवार परिजनों के उज्ज्वल भविष्य, मंगलमय जीवन एवं गुरु की कृपा एवं आशीर्वाद वरदान सबको मिले ऐसी प्रार्थना ऋषियुग्म से है। कुशल समाचार एवं सकल्पों के बारे में अवश्य लिखें।

(डॉ0प्रणव पण्ड्या) (शैलबाला पण्ड्या)

गायत्रीतीर्थ शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार - 249411 (उत्तराखण्ड) भारत
फोन : (1334) 260602, 260309, 261328 • फैक्स : (1334) 260866
वेब साईट : www.awgp.org • ई-मेल : shantikunj@awgp.org